University in News on 09 February 2024

PIONEER PAGE 4

भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का : प्रो. नवजीवन रस्तोगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियाँ विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। मालवीय सभागार में आयोजित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोध की दृष्टि से जम्मू कश्मीर और लद्दाख के विभिन्न विषयों को समझना और सम्बन्धित विषय पर शोध सम्बन्धी समझ विकसित करना है।

कार्यशाला की संयोजक प्रो मनुका खन्ना, विभागाध्यक्षए राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा मुख्य अतिथि प्रतिकुलपति प्रो अरविन्द अवस्थी का स्वागत किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिकुलपति प्रो अरविन्द अवस्थी द्वारा पद्मश्री प्रो नवजीवन रस्तोगी का स्वागत करते हुए अभिनव गुप्त के दर्शन को भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन बताया, जिसमें कोई भेदभाव की जगह नहीं है। प्रो रस्तोगी ने कहा कि भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का है। कश्मीर भारत के विद्या का मुकुट मणि है। मुख्यवक्ता आशुतोष भटनागर ने सप्त सिन्धु क्षेत्र को बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में भारत के जीवन-मूल्य गढ़े गये हैं। जम्मू कश्मीर का विषय भारत के इतिहास का विषय है। जो भारत को जोड़ने वाला विषय है। जम्मू कश्मीर से हमारा सम्बन्ध सिर्फ भौगोलिक ही नहीं सांस्कृतिक और भावनात्मक है। कार्यशाला के औपचारिक सत्रों के प्रथम सत्र में डा मंयक शेखर, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र संस्कृति मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं इतिहास पर व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में आशुतोष भटनागर ने जम्मू कश्मीर के राजनैतिक इतिहास पर अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रथम दिवस के अन्तिम सत्र में डीके दुबे, अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय ने जम्मू कश्मीर के एकीकरण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 को लाने और उसके निराकरण की न्यायिक प्रक्रिया के तथ्यों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में शोध छात्रों ने जम्मू कश्मीर से सम्बन्धित जिज्ञासाओं को वक्ताओं के साथ साझा करते हुए इस विषय पर शोध की समस्याओं व विकल्पों पर अपने विचार रखें। कार्यशाला की संयोजक प्रो मनुका खन्ना एवं संगठन सचिव प्रो राघवेन्द्र प्रताप सिंह व डा शिखा चौहान रहें। इस दौरान विभाग के सभी शिक्षक व अन्य छात्र.छात्राएं उपस्थित रहें।

9 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 9 छात्र.छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट प्लैनेट स्पार्क एवं इंडियामार्ट कंपनी मे हुआ। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो एके सिंह ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद दिया। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लैनेट स्पार्क कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग) के 2 छात्रों (अक्षिता सिंह एवं श्रेया मिश्रा) और बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के 3 छात्रों (सुप्रिया तिवारी, कुणाल सिंह एवं आकांक्षा सिंह) एवं बीसीए के छात्र आदर्श मिश्रा का चयन बिज़नेस डेवलपमेंट कॉउंसलर के पद पर 6.5 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन हुआ।

i-NEXT PAGE 4

'कश्मीर भारत के विद्या का एक मुकुट मणि है'

एलयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू

LUCKNOW (8 Feb): भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का है. कश्मीर भारत के विद्या का मुकुट मणि है. यह विचार विशिष्ट अतिथि पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित एलयू के संस्कृत एवं प्राक विभाग से रिटायर्ड प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने गुरुवार को एलयू के राजनीति शास्त्र विभाग एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में रखे. जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियां विषय पर प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने अभिनव गुप्त के दर्शन को भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन बताया, जिसमें कोई भेदभाव की जगह नहीं है. मुख्य वक्ता जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली के निदेशक आशुतोष भटनागर ने सप्त सिंधु क्षेत्र को बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में भारत के जीवन-मूल्य गढ़े गए हैं. जम्मू कश्मीर का विषय भारत के इतिहास का विषय है, जो भारत को जोड़ने वाला है.

कश्मीर धरती का स्वर्ग

राजनीति शास्त्र विभाग की प्रमुख प्रो. मानुका खन्ना ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोध की दृष्टि से जम्मू कश्मीर और लद्दाख के विभिन्न विषयों को समझना और संबंधित विषय पर शोध की समझ विकसित करना है. कार्यशाला में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र संस्कृति मंत्रालय के डा. मयंक शेखर, सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता डीके दुबे व अन्य ने अपने विचार रखे.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कश्मीर भारतीय विद्या की मुकुट मणि : प्रो. नवजीवन जोशी

लखनऊ। पद्मश्री प्रो. नवजीवन जोशी ने कहा कि भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का है। इसलिए कश्मीर, भारतीय विद्या की मुकुट मणि है। उन्होंने शैव और तंत्र के विद्वान अभिनव गुप्त के दर्शन को भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन बताया।

वह लविवि में राजनीति शास्त्र विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को मालवीय सभागार में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की समझ : रुझान और प्रवृत्तियां विषय पर कार्यशाला में बोल रहे थे। मुख्य वक्ता आशुतोष भटनागर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से हमारा संबंध सिर्फ भौगोलिक ही नहीं सांस्कृतिक और भावनात्मक है। प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, संयोजक प्रो. मनुका खन्ना आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

लविवि : नौ विद्यार्थियों को मिली नौकरी

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में नौ छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि बीटेक (कंप्यूटर साइंस) के अक्षिता सिंह व श्रेया मिश्रा और बीटेक (इलेक्ट्रिकल) के सुप्रिया तिवारी, कुणाल सिंह व आकांक्षा सिंह और बीसीए के छात्र आदर्श मिश्रा का चयन प्लैनेट स्पार्क एवं इंडियामार्ट कंपनी में बिजनेस डवलपमेंट काउंसलर के पद पर 6.5 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन हुआ। साथ ही इंडियामार्ट कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए की प्रियंका सिंह एवं हर्षित निगम और अमन दीक्षित का चयन एग्जीक्यूटिव- क्लाइंट सर्विस के पद पर 3.0 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी को बधाई दी है। (संवाद)

NBT PAGE 06

LU: 9 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू के 9 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ। प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लैनेट स्पार्क कंपनी कैंपस प्लेंसमेंट के दौरान कई विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। कंपनी ने अक्षिता सिंह, श्रेया मिश्रा, सुप्रिया तिवारी, कुणाल सिंह, आकांक्षा सिंह के साथ ही आदर्श मिश्रा का बिजनेस डेवलपमेंट कॉउंसलर के पद के लिए 6.5 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया है। इसके अलावा इंडियामार्ट कंपनी ने प्रियंका सिंह, हर्षित निगम और अमन दीक्षित का एग्जीक्यूटिव-क्लाइंट सर्विस पद पर चयन करते हुए 3 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया है। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने चयन पर बधाई दी है।

'भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन अभिनव गुप्त का'

■ एनबीटी सं., लखनऊः भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन अभिनव गुप्त का है। उसमें किसी तरह के भेदभाव की जगह नहीं है। भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का है। कश्मीर भारत के विद्या का मुकुट मणि है। यह बातें प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने गुरुवार को एलयू में 'जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियां' पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में कहीं। एलयू के मालवीय सभागार में राजनीति शास्त्र विभाग और जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र नई दिल्ली की ओर से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता आशुतोष भटनागर ने सप्त सिन्धु क्षेत्र के बारे में बताया। कार्यक्रम में एलयू के प्रति कुलपति प्रो. अरविन्द अवस्थी, प्रो. मनुका खन्ना आदि मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 06

एलयू के नौ छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नौ विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ। इन छात्र-छात्राओं को प्लैनेट स्पार्क और इंडियामार्ट कंपनी ने चयनित किया है। एलयू के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय की प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लैनेट स्पार्क कंपनी कैंपस प्लेंसमेंट के लिए आई थी। कई विद्यार्थियों ने जॉब के लिए आवेदन किया था। जिनमें से नौ का चयन किया गया।

कश्मीर भारत की विद्या का मुकुटमणि

लखनऊ। भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन अभिनव गुप्त का है। उसमें किसी तरह के भेदभाव की जगह नहीं है। भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का है। कश्मीर भारत की विद्या का मुकुटमणि है। यह बातें पद्मश्री प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने कहीं। वह एलयू में 'जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियां' पर दो दिवसीय कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि रहे।

एलयू के मालवीय सभागार में राजनीति शास्त्र विभाग और जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र दिल्ली की ओर से कार्यशाला में विशेषज्ञों ने अपने-अपने विचार रखे।

JAGRAN CITY PAGE III

'भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का'

कार्यशाला में पद्मश्री प्रो. नवजीवन रस्तोगी और जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के निदेशक आशुतोष भटनागर ● सौजन्य : लवि

जासं, लखनऊ: 'भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का है। कश्मीर भारत के विद्या का मुकुट मणि है। यह विचार विशिष्ट अतिथि पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित लवि के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग से सेवानिवृत्त प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में रखे।

'जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियाँ' विषय पर प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने अभिनव गुप्त के दर्शन को भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन बताया, जिसमें कोई भेदभाव की जगह नहीं है। मुख्य वक्ता जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली के निदेशक आशुतोष भटनागर ने सप्त सिन्धु क्षेत्र को बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में भारत के जीवन-मूल्य गढ़े गए हैं। ।

लविवि के प्रति कुलपति प्रो. अरविंद मोहन ने अभिनव गुप्त के दर्शन पर अपनी बात रखते हुए कश्मीर को धरती का स्वर्ग बताया। राजनीति शास्त्र विभाग की प्रमुख प्रो. मानुका खन्ना ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोध की दृष्टि से जम्मू कश्मीर और लद्दाख के विभिन्न विषयों को समझना व शोध की समझ विकसित करना है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

तथ्यों के साथ शिक्षा का करें अर्जन

किसी भी निष्कर्ष तक जाने से पहले उसकी प्रामाणिकता तय करनी आवश्यक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पद्मश्री प्रो. नवजीवन रस्तोगी कहते हैं कि किसी भी निष्कर्ष तक जाने से पहले उसकी प्रामाणिकता तय करनी आवश्यक है। ऐसा न होने पर विषय और वस्तु दोनों प्रभावित होती हैं। कश्मीर को लेकर भी इसी तरह की राय तमाम से लोगों के मन में है।

अमृत विचार से खास बातचीत में पद्मश्री बताते हैं कि कश्मीर ऐसे ही भारत का मुकुट नहीं कहा गया। इसका इतिहास, कला और संस्कृति सहित अन्य विषय निश्चित रूप से प्रेरणादायक हैं। पर, शर्त है कि साक्ष्यों को तथ्यपरक समझा जाए। हालांकि, बड़े विशेषज्ञ इस ओर अपनी राय दे चुके हैं। प्रो. नवजीवन बताते हैं कि लविवि में एक बड़ा समय बिताने के बाद अब वे शोधार्थी एवं छात्रों को मूल स्रोत की जानकारी भी दे रहे हैं। ताकि संस्कृति और सभ्यता के साथ वेश- परिवेष और ज्ञानार्जन को आगे बढ़ाया जा सके।

लखनऊ विश्वविद्यालय में संस्कृत विभागाध्यक्ष रहे प्रो. रस्तोगी कशमीर से जुड़े विषयों पर कई पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं। इसमें अब तक करमा तंत्रिज्म ऑफ काश्मीर, इंट्रोडक्शन ऑफ तंत्रालोक, द तंत्रलोक ऑफ अभिनवगुप्त सहित अन्य शामिल हैं।

लविवि में कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. नवजीवन, साथ में अन्य।

▸▸ लविवि में संस्कृत विभागाध्यक्ष रह चुके हैं प्रो. नवजीवन

व्याख्यान में दिए शोधार्थियों और छात्रों को सुझाव

लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यशाला के आयोजन के दौरान मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने शोधार्थी और छात्रों को कश्मीर से जुड़ी जानकारियां साझा की और उन्हें प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के डॉ. मयंक शेखर ने भी इस विषय पर विचार प्रस्तुत किये। इस दौरान प्रो. कमल कुमार, प्रो. संजय गुप्ता, प्रो. कविराज, डॉ. अमित कुशवाहा सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कुनाल सिंह | आदर्श मिश्रा | सुप्रिया तिवारी | श्रेया मिश्रा | अक्षिता सिंह

पांच छात्राओं सहित नौ प्लेसमेंट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 9 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट किया गया। इस दौरान शिक्षण संबंधी सूचनाएं साझा की गईं।

प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि एक निजी कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग की दो छात्रा अक्षिता सिंह एवं श्रेया मिश्रा और बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की तीन छात्रा सुप्रिया तिवारी, कुणाल सिंह, आकांक्षा सिंह एवं बीसीए के छात्र आदर्श मिश्रा का चयन बिजनेस डेवलपमेंट कॉउंसलर के पद पर चयन हुआ है। दूसरी कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए आईएमएस के दो छात्र प्रियंका सिंह एवं हर्षित निगम और एमबीए लुंबा के छात्र अमन दीक्षित का चयन एग्जीक्यूटिव क्लाइंट सर्विस के पद पर हुआ है।

▸▸ शिक्षण संबंधी सूचनाएं की गईं साझा

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

शोध छात्रों ने साझा किए अनुभव

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजनीतिशास्त्र विभाग,लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जम्मू कश्मीर

कश्मीर भारत के विद्या का मुकुट मणि है : प्रो. नवजीवन

जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियां विषय पर कार्यशाला

अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 08 से 09 फरवरी तक जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियां विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन का शुभारम्भ मालवीय सभागार में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वालित कर किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोध की दृष्टि से जम्मू कश्मीर और लद्दाख के विभिन्न विषयों को समझना और सम्बन्धित विषय पर शोध सम्बन्धी समझ विकसित करना है। कार्यशाला की संयोजक प्रो.मनुका खन्ना, विभागाध्यक्ष, राजनीतिशास्त्र विभाग,लविवि द्वारा मुख्य अतिथि प्रतिकुलपति प्रो.अरविन्द अवस्थी का स्वागत किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिकुलपति प्रो.अरविन्द अवस्थी द्वारा पद्मश्री प्रो.नवजीवन रस्तोगी का स्वागत करते हुए अभिनव गुप्त के दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कश्मीर को धरती पर स्वर्ग बताया। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री पुरस्कार 2024 से सम्मानित, संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग,लविवि के सेवानिवृत्त प्रो.नवजीवन रस्तोगी ने अभिनव गुप्त के दर्शन को भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन बताया, जिसमें कोई भेदभाव की जगह नहीं है। प्रो.रस्तोगी ने कहा कि भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का है। कश्मीर भारत के विद्या का मुकुट मणि है। मुख्य वक्ता आशुतोष भटनागर ने सप्त सिन्धु क्षेत्र को बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में भारत के जीवन-मूल्य गढ़े गये है। जम्मू कश्मीर का विषय भारत के इतिहास का है जो भारत को जोड़ने वाला विषय है। जम्मू-कश्मीर से हमारा सम्बन्ध सिर्फ भौगोलिक ही नहीं सांस्कृतिक और भावनात्मक है।

एलयू के ९ छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 9 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट प्लैनेट स्पार्क एवं इंडियामार्ट कंपनी में हुआ। चयनित छात्रों को लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ.हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लैनेट स्पार्क कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग) के 2 छात्रों में अक्षिता सिंह व श्रेया मिश्रा और बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के 3 छात्रों में सुप्रिया तिवारी, कुणाल सिंह एवं आकांक्षा सिंह एवं बीसीए के छात्र आदर्श मिश्रा का चयन बिज़नेस डेवलपमेंट कॉउंसलर के पद पर 6.5 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन हुआ। साथ ही इंडियामार्ट कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए (आईएमएस) के 2 छात्रों प्रियंका सिंह एवं हर्षित निगम तथा एमबीए (लुंबा) के 1 छात्र अमन दीक्षित का चयन एग्जीक्यूटिव क्लाइंट सर्विस के पद पर 3.0 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ।

LOKSATYA PAGE 03

भारत के इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का

व्याख्यान

● एलयू के मालवीय सभागार में कार्यशाला

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय राजनीतिशास्त्र विभाग व जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली की ओर से 'जम्मू कश्मीर और लद्दाख की समझः रुझान और प्रवृत्तियां' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन मालवीय सभागार में व्याख्यान हुआ।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोध की दृष्टि से जम्मू कश्मीर और लद्दाख के विभिन्न विषयों को समझना और सम्बन्धित विषय पर शोध सम्बन्धी समझ विकसित करना है। कार्यशाला संयोजक राजनीतिशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो मनुका खन्ना ने प्रतिकुलपति प्रो अरविन्द अवस्थी का स्वागत हुआ। प्रतिकुलपति प्रो. अरविन्द अवस्थी ने पद्मश्री प्रो नवजीवन रस्तोगी का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो नवजीवन रस्तोगी ने अभिनव गुप्त के दर्शन को भारत का सबसे लोकतांत्रिक दर्शन बताया। प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने कहा कि भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अधिकांश हिस्सा कश्मीर का है। कश्मीर भारत के विद्या का मुकुट मणि है। मुख्य वक्ता आशुतोष भटनागर ने सप्त सिन्धु क्षेत्र को बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में भारत के जीवन-मूल्य गढ़े गये है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय से डॉ मंयक शेखर ने जम्मू कश्मीर की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं इतिहास पर व्याख्यान दिया। दूसरे सत्र में आशुतोष भटनागर ने जम्मू कश्मीर के राजनैतिक इतिहास पर अपने विचार प्रस्तुत किये। आखिरी सत्र में अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट डीके दुबे ने जम्मू कश्मीर के एकीकरण की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 को लाने और उसके निराकरण की न्यायिक प्रक्रिया के तथ्यों पर प्रकाश डाला।

अब तक 51.86 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

लखनऊ। प्रदेश में खरीफ क्रय वर्ष 2023-24 में 5161 क्रय केन्द्रों के माध्यम अब तक 5186613.58 मीट्रिक टन धान किसानों से सीधे क्रय किया गया है। इस योजना से अब तक लगभग 773140 किसानों को लाभान्वित करते हुए 10916.089 करोड़ रूपये का भुगतान उनके खातों में किया गया है। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार आज 13217.75 मीट्रिक टन खरीद हुई है। धान खरीद हेतु 70.00 लाख मी0टन क्रय लक्ष्य निर्धारित है।

एलयू के 9 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय व तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की प्लेसमेंट ड्राइव में 9 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट प्लैनेट स्पार्क एवं इंडियामार्ट कंपनी मे हुआ। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद दिया। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लैनेट स्पार्क कंपनी के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग) के 2 छात्रों (अक्षिता सिंह एवं श्रेया मिश्रा) और बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के 3 छात्रों (सुप्रिया तिवारी, कुणाल सिंह एवं आकांक्षा सिंह) एवं बीसीए के छात्र आदर्श मिश्रा का चयन बिज़नेस डेवलपमेंट कॉउंसलर के पद पर 6.5 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन।